सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक 25

जनवरी - 2022

- शिक्षा
- संस्कार
- स्वास्थ्य
- समरसता
- स्वावलंबन

आत्मविश्वास वीरता का रहस्य है।
पवित्र और दृढ़ इच्छा सर्वशक्तिमान है।
जबकि कमजोरी ही मृत्यु है,
इसलिए जो व्यक्ति निश्चय करता है,
उसके लिए कुछ असंभव नहीं है।
– स्वामी विवेकानंद

मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार

भरतराज
अभियान प्रमुख

> **खेल उन सारी गतिविधियों को कहा जा सकता है जिसमें प्रतिभागी अपनी शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं से खेल के परिणाम को जीत या हार में बदल सकता है।**

खेल हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो शरीर के साथ-साथ मानसिक विकास में मदद भी करते हैं। जिस तरह दिमाग के सही विकास के लिए शिक्षा जरूरी है, उसी तरह शारीरिक विकास के लिए खेल भी जरूरी हैं। खेल के माध्यम से शरीर स्वस्थ होता है। टीमवर्क और लीडरशिप की भावना विकसित होती है। खेल से मानसिक तनाव में कमी आती है और पढ़ाई-लिखाई में रुचि बढ़ती है।

खेलो खेल-बनो निरोग इसी कहावत को ध्यान में रखते हुए अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी की प्रेरणा से सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के द्वारा सूर्या यूथ क्लब के युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता 25 दिसंबर, 2021 अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्मदिवस (सुशासन दिवस) से 23 जनवरी, 2022 सुभाषचन्द्र बोस जन्मदिवस जी के (पराक्रम दिवस) तक कराई गयी। इस प्रतियोगिता में देश के 16 राज्यों के 1200 गाँवों के 75,000 युवाओं ने भाग लिया। देशभर के 240 स्थानों पर कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ, जिसमें 12,960 खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

देशभर में चलाए जा रहे इस युवा निर्माण कार्यक्रम में कई सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, जन-प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों एवं समाजसेवियों का मार्गदर्शन मिला। आज के परिवेश में सामाजिक सरोकार से दूर होते जा रहे युवाओं में विभिन्न प्रकार के अच्छे गुणों का निमार्ण कर ग्राम विकास के कार्य में लगाने का सराहनीय कार्य फाउण्डेशन द्वारा किया जा रहा है।

खेल युवाओं के लिए प्रेरणादायक और स्वास्थ्य वर्धक है।

गमला बनाने का रोजगार गाँव : टीला (उत्तराखण्ड)

जिम्मेदारी संग नारी भर रही उड़ान,
न कोई शिकायत है और न ही थकान।

आत्मनिर्भरता की ओर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बढ़ाने के लिए गाँव गढ़ीनेगी (काशीपुर) में सागर स्वयं सहायता समूह की अध्यक्षा श्रीमती ओमवती ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर सीमेंट के गमले बनाना शुरू किया। पहले यह कार्य छोटे स्तर पर शुरु किया गया था, धीरे-धीरे इसका स्वरूप बढ़ता गया। गमले बनाने का कार्य वह अपने घर की छत पर ही कर रही हैं। गमले को तीन अलग-अलग रंगों से सजाया जाता है। मार्केटिंग करने हेतु ओमवती जी के पति व सुपुत्र सहयोग करते हैं। इससे परिवार को आर्थिक सहायता भी मिलने लगी है। गमले देखने में सुंदर वह आकर्षक होने से उनके घर से भी लोग खरीदकर ले जाते हैं। इस व्यवसाय से जहाँ एक ओर उनको रोजगार मिला है, वहीं दूसरी ओर यह परिवार आसपास के गाँव के लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रहा है।

ई-प्लेटफॉर्म जागरुकता शिविर

मध्य प्रदेश के मालनपुर इंडस्ट्रियल एरिया में सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव की योजना के अंतर्गत डिजिटल लिटरेसी कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं के कैरियर संबंधित डिजिटल नोटिंग रिपोर्टिंग, सोशल मीडिया, सिक्योरिटी आदि विषय पर विशेषज्ञों के द्वारा सत्र लिए गए। उद्घाटन में सूर्या लाइट डिवीजन प्लांट हेड श्री तपन जी ने कहा भविष्य के लिए शिक्षा को अधिक से अधिक मजबूत करना है। अच्छे कैरियर के लिए स्व-अनुशासन के निर्माण के साथ-साथ अपने कार्य को लेकर ईमानदारी एवं दृढ़ संकल्पित होना होगा।

श्री आनंद जी ने सोशल मीडिया सुरक्षा के तरीकों को बताया। समापन में सूर्या रोशनी के एच.आर. महाप्रबंधक श्री मुकुल चतुर्वेदी जी ने कहा भारत का भविष्य आज के युवाओं पर निर्भर करता है। यदि हम रोजगार लेने की तरफ बढ़ेंगे तो देश को एक सीमित संसाधनों में ही रख पाएंगे। लेकिन आत्मनिर्भर बनने के लिए इस युवा पीढ़ी को नए-नए अविष्कार एवं रोजगार देने के अवसरों को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर कंपनी सीसीओ श्री सौरभ जी, वेलफेयर ऑफिसर संजय जी एवं मालनपुर के आसपास के 6 गाँव के 65 युवा उपस्थित रहे।

महिला स्वरोजगार के लिए हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण का आयोजन।

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित मध्य प्रदेश के गाँव मूण्डला में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। मूण्डला में फाउण्डेशन द्वारा महिला स्वरोजगार और स्वावलंबन के लिए हस्तशिल्पकला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। चार दिवसीय इस प्रशिक्षण में गाँव की 25 बहनों ने हिस्सा लिया।

शिविर का उद्घाटन 9 जनवरी, 2022 को किया गया, जिसमें गाँव के सरपंच श्री कैलाश पटेल जी, आजीविका मिशन से श्रीमती मंजू जी और प्रशिक्षिका श्रीमती गायत्री सोनी उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण में बहनों को चूड़ी, कंगन, लटकन, अंगूठी आदि कई चीजें बनानी सिखाई गयी।

बहनें अब अपने घर पर ही श्रृंगार की सामग्री कम लागत में तैयार कर सकती हैं और अपना स्वयं का रोजगार भी शुरु कर सकती हैं। इस प्रशिक्षण में सभी बहनों ने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर बहनों ने अपनी बनाई गई सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई, जिसमें मुख्य अतिथि श्री घनश्याम जी (ग्राहक पंचायत, प्रांत संगठन मंत्री) सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

सभी अतिथियों और ग्रामवासियों ने बहनों द्वारा बनाई गई सामग्री की जमकर तारीफ की और सूर्या फाउण्डेशन की इस पहल की सराहना की। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाना है।

ग्रामीण गौरव सम्मान समारोह नांदियाकल्ला-राजस्थान

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित गाँव नांदियाकल्ला में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत **ग्रामीण गौरव सम्मान कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भगवान श्रीराम जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। गाँव के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाले सैनिक परिवार, शहीद परिवार, स्वतंत्रता सेनानी, गोपालक परिवार तथा अन्य सामाजिक क्षेत्र में लगे ग्रामीणों का सम्मान साफा और पटका पहनाकर किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम सरपंच जसवंत सिंह भाटी जी ने कहा हम सब मिलकर गाँव को एक समृद्धशाली तथा विकसित गाँव बनायेंगे। जिसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ हमारी परंपरा तथा संस्कृति का संरक्षण होगा। गाँव में आपसी भाई चारा बने, सभी एक दूसरे की मदद करें। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप यूथ क्लब तथा श्री बालाजी साफा हाउस जोधपुर का सहयोग रहा। इस सम्मान समारोह कार्यक्रम में 25 ग्रामीणों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर 128 बंधु एवं भगिनियों की भागीदारी रही।

किसान गोष्ठी का आयोजन : बसई (उत्तराखण्ड)

गाँव बसई का मंझरा में कृषि विभाग जसपुर व सूर्या फाउण्डेशन – आदर्श गाँव योजना द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विकास खंड प्रभारी जसपुर श्री ओमपाल सिंह, पूर्व विकास खंड प्रभारी श्री रामसिंह, न्याय पंचायत प्रभारी मुकेश कुमार, जैविक खेती ट्रेनर शेखर जोशी ने भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। ओमपाल जी ने बताया कि सरकार द्वारा किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की चलाई जा रही योजनाओं को कार्यक्रमों के माध्यम से ही गाँव के किसानों तक पहुँचाया जा रहा है। केन्द्र व राज्य स्तरीय योजना से किसानों को सब्सिडी भी उपलब्ध कराई जाती है। वर्तमान में ब्लॉक के माध्यम से सब्सिडी पर बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसमे राज्य सरकार की ओर से किसानों को सब्सिडी दी जा रही है। जिन किसानों को बीज लेना है, ब्लॉक में संपर्क कर सकते हैं। कुछ योजनाओं का रजिस्ट्रेशन आप घर पर मोबाइल से भी कर सकते हैं। श्री रामसिंह जी ने बताया कि बसई का मंझरा गाँव सब्जी उत्पादन के लिए जाना जाता है। सब्जी उत्पादन के लिए भी सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएँ चलाई जा रही हैं। किसानों को सब्जी उत्पादन से संबंधित यंत्रों पर भी सब्सिडी दी जाती है। पॉलीहाउस निर्माण मे सब्सिडी मिलती है। इस अवसर पर सूर्या फाउण्डेशन क्षेत्र प्रमुख नीतीश कुमार, रणधीर सैनी, हरीश कुमार नरेन्द्र व 62 किसान उपस्थित रहे।

सूर्या सिलाई केन्द्र रानीखेड़ा-अवध (उ.प्र.)

सूर्या फाउण्डेशन – आदर्श गाँव योजना द्वारा अवध क्षेत्र में हरदोई जिला के रानीखेड़ा गाँव में सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन अक्टूबर 2018 से किया जा रहा है। सिलाई शिक्षिका बीनू देवी सिलाई केन्द्र के संचालन के साथ साथ अपनी सिलाई की दुकान भी चला रही हैं।

इस समय 15 बहनें सिलाई सीख रही हैं। पिछले सत्रों में 20 माताओं-बहनों को सिलाई सिखाई गई है। जिन माताओं-बहनों ने सिलाई पूर्ण रूप से सीख लिया है वे खुद के कपड़े भी सिलने लगी हैं। कुछ बहनें सिलाई करके महीने के 1500 से 1800 रुपये कमा लेती हैं। सिलाई के माध्यम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अच्छा कार्य हुआ है। सभी आगे बढ़ने की दिशा निरंतर कार्य कर रही हैं। स्वावलंबी बन रही है।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण दार्जिलिंग (प.बं.)

दार्जिलिंग जिले के खोरीबारी ब्लॉक में अमृत महोत्सव के तहत 5 दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। भारत सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के माध्यम से इस शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन में सुदर्शन राजभर (डिप्टी डायरेक्टर खादी ग्रामोद्योग) तथा सुजीतदास (प्रांत समरसता प्रमुख-रा.स्व.संघ) ने किया। इस शिविर मे स्वयं सहायता समूह की बहनें तथा शिवाजी युवा समिति के युवाओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक पी.डी.लामा ने मधुमक्खियों की प्रजातियों, रहन-सहन, मधु संकलन करने की प्रक्रिया, मधुमक्खियों को होने वाले रोग तथा रख-रखाव के साथ ही एक मधुमक्खी के बॉक्स को किस प्रकार बनाया जाता है इसकी भी जानकारी दी।

उत्तर रामधन जोत के प्रगतिशील किसान कुमार राय के फार्म हाउस पर प्रैक्टिकल क्लास कराई गई। साथ ही मार्केटिंग के तरीके भी बताये गए। इस शिविर में कुल 50 लोगों ने भाग लिया। आगामी दिनों में प्रत्येक प्रशिक्षक को 10-10 मधुमक्खी के बक्से उपलब्ध करवाए जाएंगे, इसकी मार्केटिंग में सूर्या फाउण्डेशन की टीम सहयोग करेगी।

गीत : शाखा है गंगा की धारा

शाखा है गंगा की धारा, डुबकी रोज लगाते हैं। माँ का वंदन सांझ-सवेरे, श्रद्धा-सुमन चढ़ाते हैं।।
संघ साधना अर्चन पूजन, प्रतिदिन शीश झुकाते हैं। भारत माँ के भव्य भाल पर, भगवा ध्वज लहराते हैं।
संघ स्थान मंदिर सा पावन, मन तर्पण हो जाते हैं। माँ का वंदन सांझ-सवेरे, श्रद्धा-सुमन चढ़ाते हैं।
शाखा है गंगा की धारा, डुबकी रोज लगाते हैं।।1।।

इसकी रज में खेल-खेल कर, तन चंदन बन जाते हैं। योग, खेल, रवि नमस्कार से स्वस्थ शरीर बनाते हैं।
स्नेह भाव से मिलते-जुलते, मन मत्सर मर जाते हैं। माँ का वंदन सांझ-सवेरे, श्रद्धा-सुमन चढ़ाते हैं।
शाखा है गंगा की धारा, डुबकी रोज लगाते हैं।।2।।

लोग संगठन के संवाहक, गठनायक बन जाते हैं। कुंभकार सी रचना करके, गणशिक्षक कहलाते हैं।
देशभक्ति का गीत हृदय में, मातृभक्ति पनपाते हैं। माँ का वंदन सांझ-सवेरे, श्रद्धा-सुमन चढ़ाते हैं।
शाखा है गंगा की धारा, डुबकी रोज लगाते हैं।।3।।

मधुकर की यह तप साधना, वज्रशक्ति बन जायेगी। माँ बैठेगी सिंहासन पर, यश वैभव को पायेगी।
केशव-माधव का ये दर्शन, मोह जाल कट जाते हैं। माँ का वंदन सांझ-सवेरे, श्रद्धा-सुमन चढ़ाते हैं।
शाखा है गंगा की धारा, डुबकी रोज लगाते हैं।।4।।

गुड़ से मीठे हैं गुड़ के गुण

गुड़, गुणों की खान है, ये सेहत, शरीर और त्वचा के साथ-साथ कई चीजों में बहुत ही फायदेमंद है।

सर्दी का घरेलू इलाज: यदि आप ठंड के मौसम मे सर्दी, खाँसी, कफ आदि से परेशान हैं तो गुड़ आपके लिए बहुत ही फायदेमंद है। इसके लिए गुड़ की चाय बनाकर पीना बहुत अच्छा होता है। आप चाहे तो गुड़ को दूध में मिलाकर या इसका काढ़ा बनाकर भी पी सकते हैं।

पेट का रखे ख्याल: अगर आपको खाने के बाद मीठा खाने की आदत है तो गुड़ खाइये यह आपको खाना न पचने जैसी समस्याओं से बचाएगा, आपका हाजमा भी अच्छा रहेगा। अगर आपको गैस की समस्या है, तो रोजाना गुड़ का सेवन पानी मे मिलाकर करें, आपकी समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।

त्वचा के लिए वरदान: महिलाओं को अपनी त्वचा का ख्याल सबसे ज्यादा होता है और यदि रोजाना गुड़ का सेवन करते हैं तो यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिन को बाहर कर त्वचा को सुंदर व चमकदार बनाता है।

ऊर्जा देने वाला: यदि आपको थकान महसूस हो रही है, तो गुड़ रामबाण की तरह काम करता है। ऐसे समय में आप अपनी इच्छा अनुसार गुड़ को पानी या दूध मे मिलाकर ले सकते हैं।

शरीर के लिए फायदेमंद: गुड़ शरीर में खून की सफाई करता है और शरीर के मेटाबोलिस्म को भी मेंटेन करता है। गुड़ का सेवन गले और फेफड़ों के इन्फैकशन में भी लाभकारी है। अगर आपको माइग्रेन की समस्या है तब भी गुड़ आपको फायदा पहुंचायेगा।

अस्थमा में उपयोगी: गुड़ मे एंटिएलर्जिक तत्व होते हैं, यह आस्थमा के मरीजो के लिए फायदेमंद है। काला तिल और गुड़ मिलाकर, लड्डू बनाकर उसका सेवन करें।

शिक्षा से समाज सेवा

स्वामी विवेकानंद अपने आश्रम में वेदों का पाठ कर रहे थे, तभी उनके पास चार ब्राह्मण आए वह बड़े व्याकुल थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह किसी प्रश्न का हल ढूढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। चारों ब्राह्मण ने स्वामी जी को प्रणाम किया और कहा स्वामी जी! हम बड़ी दुविधा में हैं, आपसे अपने समस्या का हल जानना चाहते हैं। हमारी जिज्ञासाओं को शांत करे।

स्वामी जी ने आश्वासन दिया और जानना चाहा, कैसी जिज्ञासा? कैसा प्रश्न है आपका?

ब्राह्मण बोले! हम चारों ने वेद वेदांतों की शिक्षा ग्रहण की है। हम सभी समाज में अलग-अलग दिशाओं में घूम कर समाज को अपने ज्ञान से सुखी, संपन्न और समृद्ध देखना चाहते हैं। इसके लिए हमारा मार्गदर्शन करें।

स्वामी जी के मुख पर हल्की सी मुस्कान आई और उन्होंने ब्राह्मण देवताओं को कहा, हे ब्राह्मण! आप सभी यह लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं, इसके लिए आपको मिलकर समाज में शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना होगा।

ब्राह्मण बोले- शिक्षा से हमारा लक्ष्य कैसे मिल सकता है?

स्वामी जी ने कहा जिस प्रकार बगीचे में पौधे लगाकर बाग को सुंदर बनाया जाता है, ठीक उसी प्रकार शिक्षा के द्वारा समाज का उत्थान संभव है। शिक्षा व्यक्ति में समझ पैदा करती है, उन्हें जीवन के लिए समृद्ध बनाती है। साधनों से संपन्न होने में शिक्षा मदद करती है, सभी अभाव को दूर करने का मार्ग भी शिक्षा दिखाती है। यह सभी प्राप्त होने पर व्यक्ति स्वयं समृद्ध हो जाता है।

ब्राह्मणों को अब स्वामी विवेकानंद जी का विचार बड़े ही अच्छे ढंग से समझ आ चुका था। अब उन्होंने मिलकर प्रण लिया कि वे अपनी शिक्षा का प्रचार-प्रसार समाज में करेंगे। यही उनकी समाज सेवा होगी।

समाचार पत्रों की झलकियाँ

किसान गोष्ठी का आयोजन कर सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को किसानों तक पहुंचाना कृषि विभाग का धर्म :ओमपाल सिंह

काशीपुर/ आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत गांव वसई का मंझरा में कृषि विभाग जसपुर व सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के तहत किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विकास खंड प्रभारी जसपुर ओमपाल सिंह, पूर्व विकास खंड प्रभारी रामसिंह, न्याय पंचायत प्रभारी भरतपुर मुकेश कुमार, जैविक खेती ट्रेनर शेखर जोशी ने भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर ओमपाल सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। कार्यक्रमों के माध्यम से ही गाँव गाँव किसानों तक योजनाओं को पहुंचाया जा सकता है। केंद्र व राज्य स्तरीय योजना से किसानों को सब्सिडी भी उपलब्ध कराई जाती है। वर्तमान में क्लॉक के माध्यम से सब्सिडी पर खेत उपलब्ध कराया जा रहा है।

आप घर पर मोबाइल से भी कर सकते हैं, जिसमें कृषि संबंधित योजनाएं आती है। पूर्व खंड विकास प्रमुख श्री राम सिंह ने बताया कि बसई का मंझरा गांव सब्जी उत्पादन के लिए क्षेत्र में जाना जाता है। यहाँ के ज्यादातर किसान सब्जी का

भी सब्सिडी सरकार द्वारा दी जाती है। पॉलीहाउस, मिनाई संबंधित यंत्र भी मिलते हैं। कार्यक्रम में शेखर जोशी द्वारा जैविक खेती के बारें में बताया गया। इस मौके पर सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख नीतिश कुमार, रणधीर सैनी, हरीश कुमार नरेन्द्र व अधि

सूर्या फाउंडेशन का खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

खोड़ीबाड़ी। सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का वॉलीबॉल फाइनल आज अधिकारी के मैनागुड़ी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शत्रुघ्न कश्यप ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन देशभर के 18 राज्यों में 400 से अधिक गांवों में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर रही है। जिसमें मुख्य गांव के साथ-साथ आसपास के चार गांवों को जोड़कर प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इस प्रतियोगिता में फुटबॉल, वॉलीबॉल मटका दौड़ , विभिन्न प्रकार के दौड़ा, सूर्य नमस्कार आदि खेल आयोजित किए जाते हैं। साथ ही विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार

भी दिया जाता है। इस अवसर पर जीतू किस्कू ने कहा कि सुदूर गांव में सूर्या फाउंडेशन द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करना, ग्राम वासियों के लिए गौरव की बात है। साथ ही सामाजिक चेतना के लिए भी इस प्रकार के कार्यक्रम संबल प्रदान करते हैं। समापन के अवसर अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी बहनों द्वारा प्रस्तुत किए गए। विजेता प्रतिभागियों को मेडल प्रमाण पत्र ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। विशेष बात यह रही माताओं के बीच में भी पासिंग द बॉल तथा मटका फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। उनको भी इस उम्र में बचपन की स्मृति जाग उठी। इस कार्यक्रम में ज्योत्सना पंडित, कानून बर्मन प्रशांत चक्रवर्ती, फांसीदेवा विधानसभा क्षेत्र प्रमुख सोविंद बर्मन और जीतु किस्कू , सुरेश हेम्ब्रोम, जीतलाल मुर्मू सहित ग्राम वासियों की सहभागिता रही।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरीश शर्मा संवाददाता- इटम प्रभात

जयपुर (राजस्थान)। सूर्या फाउंडेशन व स्वामी श्यामला नंद विहार कॉलोनी के संयुक्त तत्वाधान में गणतंत्र दिवस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सूर्या संस्कार केंद्र व यूथ क्लब के बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा, समिति के संरक्षक कालूराम कुमावत, सतेंद्र शर्मा, नंदाराम प्रजापत, पवन

करते हुए गणतंत्र दिवस की बधाई दी। ने कहा कि सभी माता-पिता अपने बच्चों को कालोनी की सेवा के कार्यों में बढ़ चढ़कर संस्कार के साथ साथ सेवा के कार्यों में भी

का मन कोरा कागज होता है अभी हम सब उन्हें जैसी शिक्षा देंगे वह जीवनपर्यन्त रहने वाली है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख बजरंग लाल प्रजापत, रमेश कुमावत, सुहानी, निकिता, नेहल, अभिषेक, शुभम, गुंजन, तन्वी, अंजली, पलक, पल्लवी, प्रिया, राहुल, लक्ष्मी, मोनिका, मीनाक्षी, अंशुल, हेमराज, मंजीत आदि ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में भोलूराम, जितेंद्र कुमार, मोहित, गोविंद, विजयपाल, कोमल, विवेक प्रजापत, संजय जांगिड़, रिंकिपाल, लालाराम, दिनेश शर्मा, विजय सिंह, बाबूलाल आदि थे।

ಆಜಾದಿ ಕಾ ಅಮೃತ ಮಹೋತ್ಸವ। ವಾಲಿಬಾಲ್ ಪಂದ್ಯಾವಳಿ ಉದ್ಘಾಟನೆ

ಕ್ರೀಡೆ ನಿತ್ಯ ಬದುಕಿನ ಅವಿಭಾಜ್ಯ ಅಂಗವಾಗಲಿ

ನಿತ್ಯ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳು ಒಂದು ತೆರನಾದ ಆಟವಿದ್ದಂತೆ

सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

◆सूर्या फाउंडेशन द्वारा प्रतिभागियो को किया गया सम्मानित

युनाइटेड समाचार सेवा

कड़ा, कौशाम्बी। सूर्या फाउंडेशन द्वारा कसिया गांव में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत चल रही सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन शनिवार को हो गया। मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ० गणेश प्रसाद द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि देवनारायण, सेवाभावी डॉक्टर रामबहादुर, शिवमोहन व जेएफसी विजय सिंह सूर्या फाउंडेशन के काशी क्षेत्र प्रमुख कुलदीप मोहन शर्मा ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुवात की। मुख्य अतिथि गणेश प्रसाद द्विवेदी ने

सम्मानित प्रतियोगी

किया। सूर्या फाउंडेशन के काशी क्षेत्र प्रमुख कुलदीप मोहन शर्मा ने अमृत महोत्सव के तहत सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी। सात दिवसीय कार्यक्रम

जेएफसी विजय सिंह ने बच्चों को खेलकूद के माध्यम से टीम वर्क के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन सूर्या यूथ क्लब के शिक्षक अमित कुमार तथा राहुल देव पांडे ने किया। कार्यक्रम

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल जरूरी: भंवर सिंह

नारनौंद, 20 जनवरी (श्यामसुन्दर): सूर्या फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत संपूर्ण देश में 25 दिसम्बर अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन से 23 जनवरी सुभाष चंद्र बोस की जयंती तक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में गांव माजरा में स्कूली छात्रों की

गांव माजरा में आयोजित खेल प्रतियोगिता में भाग लेते हुए स्कूली छात्र। (श्यामसुन्दर)

सूर्या फाउंडेशन ने कराईं खेल प्रतियोगिताएं

नवभारत न्यूज

मालनपुर, 27 जनवरी। सूर्या फाउंडेशन-आदर्श गांव योजना के तहत मालनपुर क्षेत्र में आजादी के 75 वर्ष पर अमृत महोत्सव के तहत चल रहीं खेलकूद प्रतियोगिताओं का समापन प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण कर किया गया। मुख्य अतिथि विनोद कुशवाह थाना प्रभारी मालनपुर, विशेष अतिथि तपन कुमार सूर्या रोशनी लिमिटेड प्लांट हेड, मुकुल चतुर्वेदी महाप्रबंधक मालनपुर ,सौरभ सीसीओ मालनपुर, शिवकुमार मध्यप्रदेश क्षेत्र प्रमुख सूर्या फाउंडेशन, कार्यक्रम अध्यक्ष अशोक पाल ने मां भारती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, क्रिकेट, वॉलीबॉल, 1 किमी की दौड़, 50 मीटर, 100 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़, नींबू चम्मच दौड़, रिले दौड़ एवं अनेक प्रकार के प्रतियोगिताएं कराई गईं।

सभी विजेताओं को अतिथियों ने मैडल, प्रशस्ति पत्र व शील्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विनोद कुशवाह ने सभी के सामने ग्राम विकास की बातें रखीं। उन्होंने कहा कि गांव का विकास बाहर वाले नहीं गांव वालों को ही करना होगा इसलिए गांव के लोगों को सामने आकर अपने रास्ते खुद बनाने होंगे। उन्होंने कहा कि शारीरिक विकास के लिए बच्चों को खेल की आवश्यकता है जिससे उसकी मांसपेशियां मजबूत होगा और शारीरिक विकास होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामवासियों का विशेष सहयोग मिला। इस सफल आयोजन के लिए श्रेय अशोक कुमार आदर्श गांव योजना प्रमुख मालनपुर को जाता है और उनके मार्गदर्शन में पूरे युवा साथी कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश के क्षेत्र प्रमुख शिवकुमार रजवाड़े ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे भारत भर के 18 राज्यों के 400 गांव में इस वर्ष अमृत महोत्सव की थीम पर आदर्श गांव योजना के तहत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है।